भवन में आ जाओ गोगा जी गोरख भी अलख जगा रे स

भवन में आ जाओ गोगा जी,
गोरख भी अलख जगा रे स।bd।

नाथा की माया न्यारी,
या जाणे थामने दूनिया सारी,
देवे पल म काट बिमारी,
इनके खेल निराले स,
गोरख भी अलख जगा रे स।bd।

पिरा म पीर निराला,
देवे खोल भ्रम का ताला,
चाले घोड़ा पाडे चाले,
नाहर सिंह धर्म निभारे स,
गोरख भी अलख जगा रे स।bd।

बांगड़ म धाम बणाया,
गुरु चेलया न रंग जमाया,
भगता न वैसा पाया,
जो जो जैसी अर्ज लगा रे स,
गोरख भी अलख जगा रे स।bd।

दीपक गालव दर आवे,
थारे नाम के भजन बणावे,
बिला राणा संग म सुणावे,
साज ये सुर म बजा रे स,
गोरख भी अलख जगा रे स।bd।

भवन में आ जाओ गोगा जी,
गोरख भी अलख जगा रे स।bd।

Singer – Billa Rana
Lyrics – Deepak Galav

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com